ANUVRAT INTERNATIONAL COUNCIL FOR PEACE
अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा)
ANUVRAT GLOBAL ORGANIZATION (ANUVIBHA)
(a transnational centre for peace, nonviolent action and sustainability associated with the Department of Public Information of the United Nations)

सादर प्रकाशनार्थ

अमेरिका में आयोजित विश्व धर्म संसद सम्मेलन में अणुविभा की सहभागिता

प्रबन्ध न्यासी तेजकरण सुराणा व महामंत्री संचय जैन की प्रस्तुति

अमेरिका के प्रसिद्ध शहर सॉल्टलेक सिटी में आयोजित विश्व धर्म संसद (पार्लियामेण्ट ऑफ वर्ल्ड्स रिलीजन्स) धार्मिक सद्भाव, सहयोग व सम्मान के संदेश के साथ सम्पन्न हुई। विशाल 'सॉल्टलेक पैलेस' में 80 देशों के 50 से अधिक धर्म सम्प्रदायों का प्रतिनिधित्व हुआ एवं 9 हजार से अधिक सम्भागी विश्व के कोने–कोने से यहाँ पहुँचे। 1893 में शिकागो मे आयोजित इसी पार्लियामेंट में स्वामी विवेकानंद ने अविस्मरणीय भाषण दिया था । 100 वर्ष बाद 1993 में पुनः पार्लियामेंट का आयोजन किया गया जो अब हर पाँच वर्ष बाद विभिन्न देशों में आयोजित हो रहा है । अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा) के प्रबन्ध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा एवं महामंत्री श्री संचय जैन ने विश्व धर्म संसद में भाग लेकर अणुव्रत दर्शन के विभिन्न आयामों पर अपनी प्रस्तुति दी। 19 अक्टूबर को आयोजित एक सत्र में श्री तेजकरण सुराणा ने भगवान महावीर के अहिंसा दर्शन एवं बारह व्रतों की अवधारणा पर अपने पत्र वाचन के माध्यम से जैनजीवन शैली को वर्तमान युग की समस्याओं के सटीक समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने पाँच अणुव्रतों, तीन गुणव्रतों एवं चार शिक्षाव्रतों की व्याख्या करते हुए अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकान्त, संयम आदि जीवन मूल्यों को शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व की बुनियाद बताया। डॉ. सोहनलाल गाँधी भी इस सम्मेलन में एक पेनल स्पीकर के रूप में आमंत्रित थे किन्तु अचानक पत्नी की अस्वस्थता के कारण नहीं जा सके । उनकी अनुपस्थिति में उनका भाषण प्रोफेसर हेमा पोखरणा ने पढ़ा ।

अणुविभा के महामंत्री श्री संचय जैन ने 17 अक्टूबर को जैन धर्म के परिप्रेक्ष्य में करूणा एवं अहिंसा के मूल्यों को बच्चों में अंकुरित कर उनके आदर्श व्यक्तित्व निर्माण की नींव रखने में अणुव्रत बालोदय प्रकल्प की भूमिका को अपने पावरपॉइण्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि करूणा के भाव को बचपन में संपोषित कर के ही एक अहिंसक व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है और अणुवत बालोदय यह कार्य बाल मनोविज्ञान पर आधारित अपनी विविध प्रवृत्तियों के माध्यम से कर रहा है। उन्होंने राजसमन्द स्थित 'चिल्ड्रन्स पीस पैलेस' एवं यहाँ सृजित की गई विभिन्न दीर्घाओं की भी सचित्र जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि श्री संचय जैन विश्व धर्म संसद के एम्बसेडर हैं। उन्होंने एम्बसेडर्स के लिए आयोजित विशेष सत्र में भी भाग लिया जिसमें विभिन्न देशों से समागत 45 एम्बेसडर्स उपस्थित थे।

श्री सुराणा व श्री जैन ने इस अवसर पर विश्व धर्म संसद के अध्यक्ष इमाम मलिक मुजाहिद, आयोजन समित के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दकी सहित पार्लियामेण्ट के प्रमुख

DELHI Office : 'Kalptaru', 10489, Sadar Thana Road, Motia Khan, New Delhi - 110055
Ph : +91-011-23538006 (Fax) 23540205 (M) : 09810028754 | e-mail : tkjain@lascochemie.com

JAIPUR office : ANUVIBHA Jaipur Kendra, B-01-02, Opp. Gaurav Tower, Malviya Nagar, JAIPUR - 302 017 (Rajasthan) INDIA
TaleFax: +91-141-2525829 e-mail : slgandhi@hotmail.com | anuvibha@anuvibha.in | Web : www.anuvibha.in

पदाधिकारियों मेरी नेल्सन, स्टीफन एविनो, किरीट दफ्तरी, एलीन एपरसन, शेरेडा होसेन, नरेश जैन व हेमा पोखरणा आदि से मुलाकात की एवं अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण की अहिंसा यात्रा व अणुव्रत आन्दोलन की जानकारी दी।

विश्व धर्म संसद में प्रतिदिन प्रातः प्रेक्षाध्यान सत्र का आयोजन समणीवृन्द के मार्गदर्शन में किया गया। समणी शुक्लप्रज्ञा जी, समणी परिमलप्रज्ञाजी, समणी मर्यादाप्रज्ञाजी व समणी रोहितप्रज्ञा जी ने प्रेक्षा ध्यान सत्रों के अलावा विभिन्न सत्रों में जैन धर्म, प्रेक्षा ध्यान, अणुव्रत, अहिंसा आदि विषयों पर व्याख्यान दिए। उल्लेखनीय है कि सभी सत्रों में विदेशी प्रतिनिधियों ने जैन दर्शन के प्रति गहरी रुचि दिखाई एवं प्रश्नोत्तर सत्रों में अपनी जिज्ञासाएँ रखीं जिनका समाधन सम्बन्धित वक्ता ने दिया। साथ ही अमेरिका में रह रहे जैन अनुयायियों ने भी इन सत्रों में सक्रिय सहभागिता दिखाई।

प्रेषक

संचय जैन
महामंत्री

DELHI Office : 'Kalptaru', 10489, Sadar Thana Road, Motia Khan, New Delhi - 110055
Ph : +91-011-23538006 (Fax) 23540205 (M) : 09810028754 | e-mail : tkjain@lascochemie.com

JAIPUR office : ANUVIBHA Jaipur Kendra, B-01-02, Opp. Gaurav Tower, Malviya Nagar, JAIPUR - 302 017 (Rajasthan) INDIA
TaleFax: +91-141-2525829 e-mail : slgandhi@hotmail.com | anuvibha@anuvibha.in | Web : www.anuvibha.in